

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अंत में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$$1+1+1+1=4$$

हमारी हिन्दी सजीव भाषा है। इसी कारण इसने अरबी-फारसी अंग्रेजी आदि भाषाओं के संपर्क में आकर इनके शब्दों को ग्रहण किया है। इसी ग्रहण शक्ति के कारण हिन्दी भाषा अपनी वृद्धि कर रही है। अनेक भाषाओं के शब्दों के सम्मिश्रण के बावजूद भी हमारी राष्ट्र भाषा अपने स्वरूप को विकृत नहीं कर रही है, अपितु इसका निरंतर विकास हो रहा है। आज विश्व के अनेक देशों में हिन्दी का प्रयोग किया जाता है।

(i) हिन्दी कैसी भाषा है?

- | | |
|-------------|-------------|
| (अ) निर्जीव | (ब) अविकसित |
| (स) प्राचीन | (द) सजीव |

(ii) 'विकृत' शब्द का अर्थ है :

- | | |
|----------------|----------------|
| (अ) चमका हुआ | (ब) बिगड़ा हुआ |
| (स) संवारा हुआ | (द) बदला हुआ |

(iii) हिन्दी भाषा अपनी किस शक्ति से वृद्धि को पा रही है?

- | | |
|--------------------|---------------------|
| (अ) बोलने की शक्ति | (ब) प्रचार की शक्ति |
| (स) ग्रहण शक्ति | (द) विकास की शक्ति |

(iv) आरम्भ में हिन्दी किस विदेशी भाषा के सम्पर्क में आयी थी।

- | |
|-----------------------------|
| (अ) जर्मन भाषा |
| (ब) अरबी-फारसी भाषा |
| (स) इटालियन भाषा |
| (द) उपरोक्त में से कोई नहीं |

Series-A
Term-1-Exam.-2022
T-1-835-A

Roll No.....

Total No. of Questions -16] [Total No. of Printed Pages- 8

T-1-835-A-XII-2922

HINDI

Time allowed : 3 hours]

[Maximum marks : 50

- परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
- प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

विशेष निर्देश:

- (i) अपनी उत्तर-पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ के ऊपर बायीं ओर दिए गए वृत्त में प्रश्न-पत्र सीरीज अवश्य लिखिए।
- (ii) प्रश्नों के उत्तर देते समय जो प्रश्न संख्या प्रश्न पत्र पर दर्शाई गई है, उत्तर-पुस्तिका पर वही प्रश्न संख्या लिखना अनिवार्य है।
- (iii) उत्तर पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- (iv) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- (v) उत्तर-पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, कक्षा, अनुक्रमांक, विषय, दिनांक, कुल पृष्ठ अंकित करें। प्रत्येक पृष्ठ पर पृष्ठ-संख्या अवश्य लिखें।

[P.T.O.]

T-1-835-A

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

$$1+1+1+1=4$$

जग-जीवन में जो चिरमहान,
सौंदर्यपूर्ण और सत्यप्राण,
मैं उसका प्रेमी बनू नाथ।
जिससे मानव-हित हो समान।
जिससे जीवन में मिले शक्ति,
छूटे भय-संशय, अंधभक्ति,
मैं वह प्रकाश बन सकू नाथ!
मिल जाए जिस में अखिल व्यक्ति!

(i) कवि ने “चिर महान” किसे कहा है?

- (अ) मानव को
- (ब) शक्ति को
- (स) भगवान को
- (द) जो सत्य और सुन्दरता से संपूर्ण हो

(ii) कवि कैसा प्रकाश बनना चाहता है?

- (अ) जिससे सब तरफ उजाला हो।
- (ब) जो जीने की शक्ति देता है।
- (स) अज्ञान का अंधकार दूर हो।
- (द) जिसमें मनुष्य सभी भेदभाव भुलाकर एक हो जाते हैं।

(iii) कवि ने “अखिल व्यक्ति” का प्रयोग क्यों किया है?

(अ) कवि समस्त विश्व के व्यक्तियों की बात करना चाहता है।

(ब) कवि अमीर लोगों की बात करना चाहता है।

(स) कवि भारत के लोगों की ओर संकेत करना चाहता है।

(द) कवि ब्रह्मज्ञानी बनना चाहता है।

(iv) कविता का शीर्षक क्या होगा?

(अ) सत्य की प्राप्ति (ब) अखिल व्यक्ति

(स) जग-जीवन (द) अंध भक्ति

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखो :- 3

(i) मेरे जीवन का लक्ष्य

(ii) पर्यावरण प्रदूषण

(iii) नारी और नौकरी

(iv) मोबाइल के लाभ व हानियाँ

(v) विद्यार्थी और अनुशासन

4. अपने मित्र को योग का महत्व बताते हुए पत्र लिखो। 3

अथवा

पुलिस अधीक्षक को मोहल्ले में बढ़ रही चोरी की घटनाओं की शिकायत करते हुए प्रार्थना-पत्र लिखें।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित विकल्प चुनें:- 1+1+1=3

(i) श्रव्य जन संचार माध्यम कौन सा है?

(अ) टेलीविजन

(ब) रेडियो

(स) इंटरनेट

(द) समाचार-पत्र